

Padma Shri



SMT. CHHUTNI MAHATO

Smt. Chhutni Mahato is a tribal activist from Seraikela, Jharkhand. She has single-handedly saved 125 women from witch-hunting till now. For her acts of bravery, she is also famously called the 'Tigress'.

2. Born on 1st January, 1961, Smt. Mahato got married in 1978. She was a victim of domestic violence. Her life changed completely in 1995 when her in-laws branded her as witch and threw out of her home along with her four children. Her husband too left her after one year leaving her alone to take care of her children. Her condition became pathetic and she somehow managed to raise her children and provided them good education.

3. Smt. Mahato has been working towards the eradication of social evil such as witch hunting. She has been supporting the victims of witch hunting. On receiving information about any incident of witch hunting, she immediately rushes to the place of incident and comes forward to help the victim by providing her food and shelter. She has also been helping the victims by persuading their family members to accept them.

4. A documentary was made on the struggles of Smt. Mahato in 1996 and how she was fighting the menace and helping others. Bollywood film “Kala Sach–The Dark Truth” was also made on her life in 2014.



श्रीमती छुटनी महतो

श्रीमती छुटनी महतो सेरायकेला, झारखंड की एक जनजातीय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने अकेले अपने दम पर डायन के लांछन से 125 महिलाओं का जीवन बचाया है। उनके साहसिक कार्यों के लिए उन्हें 'शेरनी' कहा जाता है।

2. 1 जनवरी, 1961 को जन्मी श्रीमती महतो का विवाह 1978 में हुआ था। उन्हें घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा। 1995 में उनके ससुराल वालों ने उन्हें डायन करार दिया और चार बच्चों के साथ उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। उन पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। एक वर्ष के बाद उनके पति ने भी उन्हें छोड़ दिया और उन्हें अकेले अपने बच्चों की देखभाल करनी पड़ी। उनकी हालत दयनीय हो गई और उन्होंने किसी तरह अपने बच्चों का पालन-पोषण किया और उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाई।

3. श्रीमती महतो डायन के लांछन जैसी सामाजिक बुराई के उन्मूलन की दिशा में निरंतर कार्य कर रही हैं। वह डायन के लांछन की शिकार महिलाओं का साथ देती हैं। डायन के लांछन की किसी भी घटना की सूचना मिलने पर वह तुरंत घटना स्थल पर पहुंचती हैं और पीड़िता को भोजन और आश्रय प्रदान करके उसकी मदद करती हैं। वह पीड़िता के परिवार को राजी करके उसे अपनाने के मामले में भी सहायता करती हैं।

4. 1996 में श्रीमती महतो के संघर्ष, खतरों से मुकाबला करने और दूसरों की मदद के बारे में एक वृत्तचित्र का निर्माण किया गया था। 2014 में उनके जीवन पर एक बॉलीवुड फिल्म "काला सच—द डार्क ट्रुथ" भी बनाई गई थी।